१. आवश्यकता पर आधारित उपक्रम

१. संस्कृति एवं कार्यजगत की पहचान

सूचना के स्रोत (समाचारपत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, इंटरनेट)

(१) समाचारपत्र के समाचारों का संग्रह करना ।

(२) आकाशवाणी के समाचार सुनकर मित्रों को बताना ।

(३) दूरदर्शन के समाचार देखना, सुनना और अपने पसंदीदा विषय के समाचार लिखना ।

- **समाचारों के प्रकार**

  सांस्कृतिक, जानकारीपरक, पर्यावरणपूरक, शैक्षणिक, विज्ञान संबंधी, मन को आनंदित, स्फूर्तिदायी और उत्साहित करने वाले समाचार ।

मेरी कृति :

(१) चुने हुए समाचार एक-दूसरे को बताना या पढ़कर सुनाना ।
(आवाज, उच्चारण और गति का उचित उपयोग करना ।)

(२) क्या विद्‌यालय के सूचना फलक पर लिखी जानकारी पढ़ी है ?

(३) ऐसी कोई भी जानकारी अथवा एक समाचार जो आपको पसंद आया/लगा हो, अपनी कॉपी में लिखो।

◆ सूचना स्रोत से क्या तात्पर्य है ? इस संबंध में जानकारी दें । प्रत्येक को कोई समाचार या जानकारी बताने का अवसर दें । समाचार और अफवाह के बीच का अंतर बताएँ ।

२. जल साक्षरता

२.१ जल के उपयोग

जल अर्थात जीवन है । सजीवों को जल की आवश्यकता होती है । विविध कार्यों के लिए जल का उपयोग किया जाता है । पूरे वर्ष के लिए आवश्यक लगने वाला जल वर्षा ऋतु के चार महीनों में प्राप्त होता है । यह जल वर्षभर उपलब्ध हो सके, इस दृष्टि से जल का योग्य एवं योजनाबद्ध उपयोग करना आवश्यक है ।

मेरी कृति :

जल संबंधी कहावतें एवं घोष वाक्य तैयार करो तथा उचित स्थानों पर लगाओ ।

विश्व जल दिवस संबंधी अधिक जानकारी प्राप्त करो ।

- 'जल के उपयोग' इस संबंध में चित्र वाचन करवाकर चर्चा करें । चित्र में कौन-सी बातें गलत हैं ? उसके लिए क्या करना अपेक्षित है, यह पूछें । जल के सुनियोजित उपयोग के लिए क्या किया जा सकता है, इसपर चर्चा करें । जल का किफायती उपयोग कैसे किया जा सकता है, इसके लिए 'मेरा जल संचय बैंक' उपक्रम कार्यान्वित करवाएँ ।

२.२ जल शुद्ध करने की विधियाँ

स्वास्थ्य के लिए शुद्ध जल आवश्यक है । आँखों से स्वच्छ दिखाई देने वाला पेयजल शुद्ध होता ही है; ऐसा नहीं है । शुद्ध जल में किसी तरह की गंध या रंग नहीं होता । वह जल अशुद्ध होता है जिसमें हानिकर विषाणु, विभिन्न रसायन, सड़ी-गली घासफूस अथवा क्षारों की मात्रा अधिक हो ।

क्या तुम जानते हो?

अशुद्ध जल के कारण अनेक तरह की गंभीर बीमारियाँ होती हैं । जैसे ; पेट के विकार, पीलिया, संक्रामक रोग आदि । इसीलिए पेयजल को शुद्ध करके पीने की नितांत आवश्यकता है ।

- **जल शुद्ध करने की कुछ घरेलू विधियाँ**

(१) **निथारना :** मटमैले जल में फिटकरी घुमाकर जल स्थिर करने पर गाद-मिट्टी नीचे बैठ जाती है ।

(२) **छानना :** जल को साफ-सुथरे चौहरे कपड़े से छान लेना ।

(३) **उबालना :** छना हुआ जल उबालकर ठंडा कर लेना ।

निथारना

छानना

उबालना

मेरी कृति :

(१) अशुद्ध जल के कारण होने वाली बीमारियों की जानकारी प्राप्त करो ।

(२) घर का जल शुद्ध करने के लिए किस विधि का उपयोग करोगे ?

(३) निम्न विधियाँ करके देखो ।

मटमैला जल   निथारना   फिटकरी घुमाना   छानना

- परिसर के जल शुद्धीकरण केंद्र की सैर का आयोजन करें ।

३. आपदा प्रबंधन

‘आपदा से तात्पर्य है संकट तथा प्रबंधन से तात्पर्य योजना बनाना है’ ।

- **आपदा के प्रकार :**

(१) प्रकृति जनित आपदा (२) मानव जनित आपदा

(१) प्रकृति जनित आपदा

भूकंप, तूफान, बाढ़, दावानल, अकाल ये सभी प्राकृतिक आपदाएँ हैं । आपदा प्रबंधन द्‌वारा इन आपदाओं की रोक-थाम या आपदा प्रभाव को कम करके मानव जीवन को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

(२) मानव जनित आपदा

मानव जनित आपदाएँ मनुष्य की गैरजिम्मेदारी या असावधानी युक्त कारणों से उत्पन्न होती हैं । इसलिए इन्हें मानव जनित आपदाएँ कहा जाता है । जैसे-यातायात नियमों का पालन न करना, तीव्र गति से वाहन चलाना, जल का अपव्यय करना, पंखे, बत्तियाँ और नल बंद न करना ।

चित्र वाचन

मेरी कृति : भीड़-भाड़वाले स्थानों पर कौन-सी सावधानी बरतोगे; यह बताओ ।

- आपदा प्रबंधन के संबंध में चित्रवाचन करवाकर चर्चा करें । चित्र के प्रसंगों में क्या करना अपेक्षित है; यह पूछें । मानव जनित आपदाओं से बचने हेतु कौन-सी सावधानी बरतनी चाहिए, यह समझाएँ ।